न्यूज़लेटर

अंबेडकर जयंती विशेष

14 अप्रैल, 2026

बाबासाहेब के विचारों को आगे बढ़ाना

राहुल गांधी ने कहा कि सामाजिक न्याय उनके जीवन का उद्देश्य है, और उन्होंने इन शब्दों को अपने कार्यों से साबित भी किया है।

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की सोच से प्रेरित होकर, वे एक ऐसे भारत के निर्माण के लिए संघर्ष कर रहे हैं जो गरिमा, समानता और संवैधानिक अधिकारों की नींव पर आधारित हो। कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी ने लगातार जाति जनगणना के लिए आवाज उठाई। इसी के बाद सरकार ये घोषणा करने के लिए मजबूर हुई कि आगामी दशकीय जनगणना में जाति का विवरण भी शामिल किया जाएगा।

इस फैसले में उनके संघर्ष का असर साफ़ दिखता है, लेकिन यह लड़ाई अभी समाप्त नहीं हुई है। राहुल गांधी निरंतर इस बात के लिए प्रतिबद्ध हैं कि देशव्यापी जाति जनगणना पारदर्शी ढंग से हो और यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं कि बहुजन अधिकार सुरक्षित रहें और कभी कमजोर न पड़ें।

राहुल गांधी की सामाजिक न्याय की लड़ाई पर एक नज़र

बीते साल की समीक्षा

जाति जनगणना के लिए एक लंबी लड़ाई

बीजेपी और आरएसएस ने लंबे समय तक जाति जनगणना का विरोध किया, लेकिन राहुल गांधी लगातार जाति जनगणना की मांग करते रहे। सरकार की घोषणा के बाद, उन्होंने कहा कि यह कवायद सिर्फ़ प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि सार्थक होनी चाहिए। इसमें ये साफ तौर पर सामने आना चाहिए कि सत्ता के पदों पर वंचित समुदायों की कितनी हिस्सेदारी है। उन्होंने संसद में सरकार से इसकी प्रक्रिया और समय-सीमा के बारे में भी सवाल पूछा, लेकिन उन्हें कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला।

प्रेस वार्ता यहां देखें।

संसद में पूछा गया सवाल यहां पढ़ें।

कांग्रेस की अगुवाई में

तेलंगाना में कांग्रेस सरकार ने जाति सर्वेक्षण कराया, जो अपनी पारदर्शिता और निश्चित उद्देश्य के लिए एक राष्ट्रीय मॉडल बन गया है। राहुल गांधी ने इस पहल का स्वागत किया। उन्होंने अंग्रेज़ी शिक्षा तक पहुंच पर भी जोर दिया और इसे सामाजिक गतिशीलता का एक प्रमुख कारक बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं के साथ-साथ अंग्रेज़ी सीखने से रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। उन्होंने बीजेपी की आलोचना करते हुए कहा कि वे बहुजन छात्रों को अंग्रेज़ी सीखने देना नहीं चाहते, जबकि उनके खुद के बच्चे विदेशों में पढ़ते हैं ।

भाषण यहां देखें।

प्रवेश में आने वाली बाधाओं को चुनौती

राहुल गांधी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों से मुलाकात की और ये जाना कि बहुजन छात्रों को किस तरह से भेदभाव और अपर्याप्त प्रतिनिधित्व का सामना करना पड़ता है। इस अन्याय के पीछे एक छिपा हुआ हथियार है- Not Found Suitable। ये एक ऐसी श्रेणी है जिसकी कोई गाइडलाइन नहीं है। इसका उपयोग अक्सर विश्वविद्यालयों द्वारा वंचित समुदायों के उम्मीदवारों को महत्वपूर्ण पदों पर पहुंचने से रोकने के लिए किया जाता है।

पूरी बातचीत यहां देखें।

मान्यवर कांशीराम जी को श्रद्धांजलि

मान्यवर कांशीराम जी की जयंती के अवसर पर, राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ में 'सामाजिक परिवर्तन दिवस' को संबोधित किया। उन्होंने याद दिलाया कि किस तरह कांशीराम जी ने दलितों के राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए काम किया और वे बाबसाहेब के विचारों से प्रेरित थे। राहुल गांधी ने वादा किया कि वे इस विरासत को आगे बढ़ाएंगे ताकि 90% लोगों को उनका हक मिल सके। उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर मान्यवर कांशीराम जी को भारत रत्न दिए जाने की मांग की।

भाषण यहां देखें।

साथ ही, पत्र यहां पढ़ें।

90% लोगों के सुनियोजित बहिष्कार को चुनौती

राहुल गांधी लगातार यह कहते रहे हैं कि सरकार को 90% लोगों के लिए काम करना चाहिए, फिर भी छात्रवृत्ति, सार्वजनिक फंडिंग और ठेकों में दलितों का प्रतिनिधित्व लगभग न के बराबर है।

जब उन्होंने सवाल पूछा कि सार्वजनिक कार्यों के कितने ठेके दलित व्यवसायों को दिए गए, तो सरकार ने जवाब दिया कि वो इस संबंध में कोई डेटा ही नहीं रखती। वहीं, जब दलित छात्रों की विदेश में पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति में कटौती की जाती है, तो बहाना यह बना दिया जाता है कि "बजट नहीं है।"

ट्वीट यहां पढ़ें।

साथ ही, संसद में पूछा गया सवाल यहां पढ़ें।

दलितों की आवाज़ सुनना न्याय के लिए लड़ाई

जाति के कारण भीड़ द्वारा हत्या

हरिओम वाल्मीकि के परिवार से मुलाकात की, जिनकी जाति के कारण भीड़ द्वारा उनकी हत्या कर दी गई थी। राहुल गांधी ने उन्हें आश्वासन दिया कि जहां कहीं भी दलितों पर अत्याचार होगा, कांग्रेस वहां मौजूद रहेगी और न्याय के लिए लड़ाई लड़ेगी।

भाजपा के शासन में दलित अधिकारियों की दुर्दशा

दिवंगत दलित IPS अधिकारी वाई. पूरन कुमार के घर जाकर उनके परिवार से मुलाकात की और उनके दुख में शामिल हुआ। वाई. पूरन कुमार जी को उनकी जाति के कारण उत्पीड़न का सामना करना पड़ा जिसकी वजह से उन्होंने आत्महत्या कर ली। राहुल गांधी ने उनकी मृत्यु की निष्पक्ष जांच की मांग की।

10 साल बाद भी न्याय नहीं

ऊना में कोड़े से हुई पिटाई की घटना के पीड़ितों से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि दस साल बाद भी दर्द वैसा ही है और उन्हें अब तक न्याय नहीं मिला। भाजपा के शासन में गुजरात आज भी भय और भेदभाव से ग्रस्त है।

दलितों की आवाज़ सुनना
समुदाय के साथ बातचीत

सोशल मीडिया पर सामाजिक न्याय की आवाज़

बिहार के बहुजन यूट्यूबरों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने हाशिए पर पड़े समुदायों की वास्तविकताओं को सामने लाने में अपनी भूमिका के बारे में बताया।

कार्यस्थल पर भेदभाव के खिलाफ लड़ाई

ग्रामीण बैंक SC-ST कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। राहुल गांधी ने दलितों और आदिवासियों को नेतृत्व भूमिकाओं से बाहर रखने के सुनियोजित तरीकों पर प्रकाश डाला।

बहुजन छात्रों के लिए संघर्ष

पढ़ाई और आवास की समस्या को लेकर बहुजन छात्रों की बात सुनने बिहार के दरभंगा में अंबेडकर वेलफेयर हॉस्टल गए। हॉस्टल की वास्तविक स्थिति पर सवाल उठने के डर से बिहार पुलिस ने राहुल गांधी को वहां जाने से रोक दिया।

न्यूज़लेटर को **सब्सक्राइब** करने के लिए यहां क्लिक करें